

पद २७६

(रागः काफी – तालः दीपचंदी)

ओढावो कामल कारी । माको थंड लगे ऋतु भारी ॥ध्रु.॥ माणिक
प्रभुजीने ओढाई कामल । दरसन आये नरनारी ॥१॥